



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (I)
PART II—Section 3—Sub-section (I)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 365]

नई दिल्ली, बुधवार, अगस्त 31, 1994/भाद्र 9, 1916

No. 365]

NEW DELHI, WEDNESDAY, AUGUST 31, 1994/BHADRA 9, 1916

वित्त मंत्रालय
(राजस्व विभाग)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 31 अगस्त, 1994

सं. 162/94-सीमाशुल्क

सा.का.नि. 661(अ).—केन्द्रीय सरकार, सीमा शुल्क अधिनियम, 1962 (1962 का 52) की धारा 25 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह समाधान हो जाने पर कि लोकहित में ऐसा करना आवश्यक है, भारत सरकार के वित्त मंत्रालय के, (राजस्व पक्ष) की अधिसूचना संख्या 98/94-सीमाशुल्क, तारीख 1 मार्च, 1994 को विरुद्धित करती है।

[फा.सं. 341/37/94-टी.आर.यू.]

सुशील सोलंकी, अवर सचिव

MINISTRY OF FINANCE
(Department of Revenue)

NOTIFICATION

New Delhi, the 31st August, 1994

No. 162/94-CUSTOMS

G.S.R. 661(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 25 of the Customs Act, 1962 (52 of 1962), the Central Government, being satisfied that it is necessary in the public interest so to do, hereby rescinds notification of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Revenue) No. 98/94-Customs, dated the 1st March, 1994.

[F. No. 341/37/94-TRU]

SUSHIL SOLANKI, Under Secy.

अधिसूचना

नई दिल्ली, 31 अगस्त, 1994

सं. 124/94-केन्द्रीय उत्पाद शुल्क

सा.का.नि. 662(अ).—केन्द्रीय सरकार, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क और नमक अधिनियम, 1944 (1944 का 1) की

धारा 5क की उपधारा (1) या अतिरिक्त उत्पाद शुल्क (विशेष महत्व का माल) अधिनियम, 1957 (1957 का 58) की धारा 3 की उपधारा (3) के साथ पठित उक्त केन्द्रीय उत्पाद शुल्क और नमक अधिनियम, 1944 (1944 का 1) की 5क की उपधारा (1) द्वारा, यथास्थिति, द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह समाधान हो जाने पर कि लोकहित में ऐसा करना आवश्यक है, भारत सरकार वित्त मंत्रालय के (राजस्व पक्ष) की निम्नलिखित अधिसूचनाओं को विरुद्धित करती है, अर्थात् :—

1. सं. 18/93 केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, तारीख 28 फरवरी, 1993
2. सं. 62/94—केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, तारीख 1 मार्च, 1994
3. सं. 63/94—केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, तारीख 1 मार्च, 1994

[फा. सं. 341/37/94—टी.अ.र.यू.]
सुशील सोलंकी, अवर सचिव

NOTIFICATION

New Delhi the 31st August, 1994

No. 124/94-CENTRAL EXCISES

G.S.R. 662(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 5A of the Central Excises and Salt Act, 1944 (1 of 1944), or sub-section (1) of section 5A of the said Central Excises and Salt Act, read with sub-section (3) of section 3 of the Additional Duties of Excise (Goods of Special Importance) Act, 1957 (58 of 1957), as the case may be, the Central Government, being satisfied that it is necessary in the public interest so to do, hereby rescinds the following notifications of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Revenue) namely :—

1. No. 18/93-Central Excises, dated the 28th February, 1993.
2. No. 62/94-Central Excises, dated the 1st March, 1994.
3. No. 63/94-Central Excises, dated the 1st March, 1994.

[F. No. 341/37/94-TRU]
SUSHIL SOLANKI, Under Secy.

अधिसूचना

नई दिल्ली, 31 अगस्त, 1994

सं. 125/94—केन्द्रीय उत्पाद शुल्क

मा.का.नि. 663(अ).—केन्द्रीय सरकार, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क और नमक अधिनियम, 1944 (1944 का 1) की धारा 5क की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह समाधान हो जाने पर कि लोकहित में ऐसा करना आवश्यक है, भारत सरकार के वित्त मंत्रालय (राजस्व

विभाग) की अधिसूचना सं. 1/93—केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, तारीख 28 फरवरी, 1993 में निम्नलिखित और संशोधन करती है, अर्थात् :—

उक्त अधिसूचना में, :—

(i) पैरा 3 के स्थान पर निम्नलिखित पैरा रखा जाएगा, अर्थात् :—

“3. इस अधिसूचना में अन्तर्दिष्ट कोई बात लागू नहीं होगी, यदि देशी उपभोग के लिए सभी उत्पाद शुल्क माल की निकासी का सकल मूल्य,—

(i) किसी विनिर्माता द्वारा एक या अधिक कारखानों में, या

(ii) एक या अधिक विनिर्माता द्वारा किसी कारखाने में, पूर्ववर्ती वित्तीय वर्ष में दो करोड़ रुपये से अधिक था” ;

(iii) पैरा 4 में तीसरे परन्तुक का लोप किया जाएगा ;

[फा. सं. बी-40/12/94-टी.अ.र.यू.]

सुशील सोलंकी, अवर सचिव

NOTIFICATION

New Delhi, the 31st August, 1994

No. 125/94-CENTRAL EXCISES

G.S.R. 663(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 5A of the Central Excises and Salt Act, 1944 (1 of 1944), the Central Government, being satisfied that it is necessary in the public interest so to do, hereby makes the following further amendments in the notification of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Revenue) No. 1/93-Central Excises, dated the 28th February, 1993, namely :—

In the said notification,—

(i) for paragraph 3, the following paragraph shall be substituted, namely :—

“3. Nothing contained in this notification shall apply, if the aggregate value of clearances of all excisable goods for home consumption,—

(i) by a manufacturer, from one or more factories, or

(ii) from any factory, by one or more manufacturers,

had exceeded rupees two hundred lakhs in the preceding financial year.”;

(ii) in paragraph 4, the third proviso shall be omitted.

[F. No. B. 40/12/94-TRU]

SUSHIL SONANKI, Under Secy.